विद्या भवन बालिका विद्यापीठ

शक्ति उत्थान आश्रम लखीसराय

विषय सी० सी० ए० दिनांक 09-07-2021

वर्ग सप्तम शिक्षक -राजेश कुमार पाण्डेय

एन० सी० ई० आर० टी० पर आधारित

सुप्रभातम बच्चों, आज सी०सी०ए० के अंतर्गत मैं एक सफलता का कहानी लिखने जा रहा हूं जो पढ़कर आप सफल हो सकते हैं।

- 'राजा और मकड़ी

बहुत पुरानी बात है ।एक देश में एक राजा राज्य करता था। राजा स्वभाव से दयालु था और वह हमेशा अपनी प्रजा को खुश रखने की कोशिश करता था। साथ ही साथ राजा बहुत

पराक्रमी भी था ।लेकिन राजा के पास एक ही कमी थी कि उसके पास पर्याप्त सैन्य बल नहीं था जिसकी वजह से वह हमेशा चिंतित रहता था।

पड़ोसी राज्य का राजा उससे ईर्ष्या रखता था। और उसकी कमजोरी को भी जानता था ।एक दिन अवसर पाकर पड़ोसी राज्य के राजा ने उसके राज्य पर चढ़ाई कर दी। वह बड़ी बहादुरी के साथ लड़ा ।लेकिन सैन्य बल कम होने के कारण हार गया और अपना राज्य गंवा बैठा।

राजा भागकर जंगल की तरफ गया और उसने एक गुफा में शरण ली ।राजपाट हार जाने की वजह से वह काफी दुखी व चिंतित था ।तभी

उसकी नजर एक मकड़ी पर पड़ी जो , बार-बार दीवार पर चढ़ने का प्रयास कर रही थी।

लेकिन दीवार पर थोड़ा ऊपर पहुंचने के बाद मकड़ी वापस जमीन पर गिर जाती थी।लेकिन जमीन पर गिरने के बाद मकड़ी दोबारा से दीवार पर चढ़ने की कोशिश करती और फिर जमीन पर गिर जाती है। ऐसा कई बार होता रहा । लेकिन उस मकड़ी ने दीवार पर चढ़ने का अपना प्रयास नहीं छोड़ा और अंततः वह दीवार पर चढ़कर छत तक पहुंच गई ।

घटना छोटी सी थी। लेकिन राजा के मन में इसका गहरा प्रभाव पड़ा।राजा ने इस घटना से प्रेरणा ली और वह चुपचाप भेष बदलकर अपने

राज्य वापस चला गया। उसने धीरे-धीरे वहां पर लोगों से संपर्क कर अपनी सैन्य शक्ति को बढ़ाने का प्रयास किया।

एक दिन जब उसे लगा कि अब उसके पास पर्याप्त सैन्य शक्ति हो गई है। उसने पूरे आत्मविश्वास के साथ अचानक उस राजा के ऊपर हमला कर दिया। क्योंकि शत्रु राजा इस हमले के लिए तैयार नहीं था , तो उसे पराजय का मुंह देखना पड़ा। और इस तरह राजा ने पुनः अपना राज्य वापस प्राप्त किया।

असफलता ही सफलता का पहला कदम है ।और लगातार प्रयास करने से कठिन से कठिन कार्य में भी सफलता पाई जा सकती है।